



**चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,  
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय**

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
Times of India	27.12.22	5	6-8

## HAU's pedal-operated peeler machine gets patent

TIMES NEWS NETWORK

Hisar: The pedal-operated fruit and vegetable peeler machine developed at Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University (CCSHAU), Hisar, has been granted a patent by the Indian Patent Office.

This machine, developed by the scientists of the university's College of Agricultural Engineering and Technology, will prove to be very beneficial for small and me-

dium scale food processors and budding entrepreneurs. The invention of the machine was done under the leadership of Nitin Kumar, D K Sharma and MK Garg.

Vice-chancellor Professor BR Kamboj said the continuous achievements of the university were the result of the hard work of the scientists.

Baldev Dogra, dean, College of Agricultural Engineering and Technology, said for preparing preserves or

jams and pickles, fruits and vegetables had to be pierced before further processing, which could be easily achieved by using this machine.

According to Jeet Ram Sharma, director of research, it drilled a uniform hole at a capacity of 30 kg per hour manually without the need for any other source like electricity or fuel, so it was best suited for rural and semi-urban areas where electricity was not available.



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम  
दीनक मासिक

दिनांक  
27.12.22

पृष्ठ संख्या  
५

कॉलम  
१-५

### उपलब्धि • बेर में 30 किग्रा. प्रति घंटे के हिसाब से किया जा सकेगा छेद, कैंडी बनाने में सहायत एचएयू के वैज्ञानिकों ने विकसित की फल और सभी छेदक पेडल ऑपरेटर मशीन, पेटेंट मिला

भास्तर न्यूज़ डिस्ट्री

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने एक अर्थ उत्प्रेरिति को विश्वविद्यालय के नाम दिया है। वैज्ञानिकों द्वारा अविकार की गई फल और सभी छेदक पेडल ऑपरेटर मशीन को भारत सरकार के पेटेंट कार्यालय की ओर से पेटेंट मिल गया है। विश्वविद्यालय के कृषि अधियाक्षिकों द्वारा अधिकारी विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित यह मशीन छोटे और मध्यम स्तर के फूड प्रोसेसर और नवोदित उत्पादियों के लिए बहुत फायदेमंद साक्षित होगी। इस मशीन से अंबला, बेर और अन्य फलों में कैंडी बनाने के लिए 30 किलो. प्रति घंटे के लिमिट से छेद किया जा सकता।

अतिरिक्त कर्मचारियों की आवश्यकता नहीं पड़ती। मशीन का अविकार महाविद्यालय के प्रसंसंकरण एवं खाद्य अधियाक्षिकों द्वारा विभाग के डॉ. नितिन कुमार, डॉ. डी.के. शर्मा व सेवानिकृत डॉ. एप.के. गर्ग की अनुबंध में किया गया। इस मशीन को भारत सरकार की ओर से इसका प्रमाण-पत्र मिल गया है जिसकी पेटेंट संख्या 406360 है।



हिसार | एचएयू के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज पेडल ऑपरेटर मशीन के साथ के साथ वैज्ञानिक व अन्य।

**विश्वविद्यालय की उपलब्धियां:** कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि विश्वविद्यालय को लगातार मिल रही उपलब्धियां यह के वैज्ञानिकों की कड़ी मेहनत का ही नतीजा है।

वैज्ञानिकों द्वारा विकसित इस नई तकनीक के लिए पेटेंट मिलने पर उन्होंने सभी को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस तकनीकों के क्रिकिट में सकारात्मक प्रयोगों को विश्वविद्यालय हमेशा प्रोत्साहित करता रहता है और यह विश्वविद्यालय के लिए बहुत ही गौरव की बात है। उन्होंने वैज्ञानिकों की समरहना करते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार नियंत्रित प्रयोग जारी रखने की अपील की।

### रख-रखाव स्वर्त और लागत कम

कृषि अधियाक्षिकों द्वारा प्रोटोटाइप की महाविद्यालय के अधिकारी डॉ. बलदेव डोमरा के अनुसार इसका प्रयोग किसीनां के लिए बहुत ही फायदेमंद होगा। छोटे और मध्यम स्तर के फूड प्रोसेसर और नवोदित उत्पादियों के लिए पेडल संचालित फल और सभी में छेद वाली मशीन फायदेमंद है। भारतीय पहाड़ों और महिलाओं के एथोपोरेंट्रिक मापों को ध्यान में रखते हुए इस मशीन को श्रमदशक्ता शास्त्र के अनुसूचि डिजाइन किया गया है। इसलिए, इसका उपयोग पर्व श्रैंगरण की आवश्यकता के बिना आवश्यक, बेर, ककड़ी अदि जैसे कुछ फलों और मनियों के सभी आकारों और किसीनों में छेद करने के लिए किया जा सकता है।

अमृसरान नियंत्रक डॉ. जीत राम शर्मा के अनुसार यह विज्ञानी या ईंधन जैसे किसी अन्य स्रोत की आवश्यकता के बिना मैन्युअल रूप से 30 किलो.घटा की क्षमता पर एक समान छेद करती है। मौदीया एडवाइजर डॉ. संशीप आर्य, अहोरीआर सेल के इचार्ज डॉ. विनोद संगवान एवं कृषि अधियाक्षिकों द्वारा प्रोटोटाइप की महाविद्यालय के सभी विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक व कर्मचारी भी मौजूद रहे।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

सम्मानार पत्र का नाम  
२०२१, जानूर्तन

दिनांक  
२७.१२.२२

पृष्ठ संख्या  
१

कॉलम  
२-५

### फल छेदक पैडल आपरेटेड मशीन को मिला पेटेंट

जामान संबद्धता, हिसार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने एक और उपलब्धियों को विश्वविद्यालय के नाम दिया है। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा अविकार की गई फल और सब्जी छेदक पैडल आपरेटेड मशीन को भारत सरकार के पेटेंट कार्यालय की ओर से पेटेंट मिल गया है। विश्वविद्यालय के कृषि अभियांत्रिकों एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के विज्ञानिकों द्वारा विकसित यह मशीन छोटे और मध्यम स्तर के फूड प्रोसेसर और नवोदित उद्यमियों के लिए बहुत फायदेमंद साधित होगी। मशीन का अविकार महाविद्यालय के प्रसंस्करण एवं खाद्य अभियांत्रिकी विभाग के डा. नितिन कुमार, डा. डीके शर्मा व सेवानिवृत्त डा. पम्के गर्ग की अगुवाई में किया गया। इस मशीन को भारत सरकार की ओर से प्रमाण-पत्र मिल गया है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कृषि प्रोफेसर डीआर काम्बोज पैडल आपरेटेड मशीन के साथ पैजूट विज्ञानिक व अन्य। \* पैजूटओ।

कृषि प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि विश्वविद्यालय को लगातार मिल रहीं उपलब्धियों यहाँ के विज्ञानिकों की कड़ी मेहनत का ही नतीजा है। उन्होंने कहा कि इस तरह की तकनीकों के विकास में सकारात्मक प्रयासों को विश्वविद्यालय हमेशा प्रोत्साहित करता रहता है और यह विश्वविद्यालय के लिए बहुत ही गौरव की बात है। उन्होंने वैज्ञानिकों की सराहना करते हुए घविष्य में भी

इसी प्रकार निरंतर प्रयास जारी रखने की अपील की।

कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिभाता हा. बलदेव द्वागरा के अनुसार इसका प्रयोग किसानों के लिए बहुत ही फायदेमंद होगा।

छोटे और मध्यम स्तर के फूड प्रोसेसर और नवोदित उद्यमियों के लिए पैडल संचालित फल और सब्जी में छेद वाली मशीन के विकास से संबंधित है। प्रिजर्व वा

मुख्य और अचार तैयार करने के लिए, फलों और सब्जियों को आगे की प्रक्रिया से पहले उनमें छेद करना पड़ता है, जो इस मशीन का उपयोग करके आसानी से प्राप्त किया जा सकता है।

अनुसंधान निदेशक डा. जीत राम शर्मा के अनुसार यह विजली या ईंधन जैसे किसी अन्य स्रोत की आवश्यकता के बिना मैन्युअल रूप से 30 किलो/घंटा की क्षमता पर एक समान छेद करती है, इसलिए यह ग्रामीण और अर्ध शहरी क्षेत्रों के लिए सबसे उपयुक्त है जहाँ विजली की आपूर्ति अभी भी एक समस्या है। इसमें फल और सब्जियों में छेद करने पर अधिक प्रयास की आवश्यकता नहीं है। इस अवसर पर ओएसडी डा. अतुल दीगड़ा, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डा. मंजु महता, मीडिया एडवाइजर डा. संदीप आर्य, आइपीआर सेल के इंचार्ज डा. विनोद सागरान आदि मौजूद थे।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब एसरी	२७-१२-२२	५	२-४

### हकूमि की फल और सब्जी छेदक पैडल ऑपरेटेड मशीन को गिला पेटेंट

हिसार, 26 दिसम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने एक और उपलब्धि को विश्वविद्यालय के नाम किया है। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा अविष्कार की गई फल और सब्जी छेदक पैडल ऑपरेटेड मशीन को भारत सरकार की ओर से पेटेंट मिल गया है।

विश्वविद्यालय के कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित यह मशीन छोटे और मध्यम स्तर के फूड प्रोसेसर और नवोदित उद्यमियों के लिए बहुत फायदेमंद साधित होगी। मशीन का अविष्कार महाविद्यालय के प्रसंस्करण एवं खादय अभियांत्रिकी विभाग के डॉ. नितिन कुमार, डॉ. डी.के. शर्मा व सेवानिवृत्त डॉ. एम.के. गर्ग की अनुबाही में किया गया। इस मशीन को भारत सरकार की ओर से इसका प्रमाण-पत्र मिल गया है, जिसकी पेटेंट संख्या 406360 है।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि विश्वविद्यालय को लगातार मिल रही उपलब्धियाँ यहाँ के वैज्ञानिकों की कड़ी मेहनत का



पैडल ऑपरेटिड मशीन के साथ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज व मशीन को विकसित करने वाले वैज्ञानिक।

ही नतीजा है। कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिकारी डॉ. बलदेव ढोगरा के लिए बहुत ही फायदेमंद होगा। छोटे और मध्यम स्तर के फूड प्रोसेसर और नवोदित उद्यमियों के लिए पैडल संचालित फल और सब्जी में छेद वाली मशीन के विकास से संबंधित है। प्रिजर्व या मुरब्बा और अचार क्षमता पर एक समान छेद करती है।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सचा कर्ट	२७.१२.२२	५	४-८

### उपलब्धि | एचएयू वैज्ञानिकों द्वारा विकसित फल-सब्जी छेदक पेडल ऑपरेटेड मशीन को मिला पेटेंट वैज्ञानिकों की कड़ी मेहनत का नतीजा है विवि की उपलिधियां: कम्बोज

हिसार (सच कहुं/सरदाना)।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने एक और उपलब्धि को विश्वविद्यालय के नाम किया है। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा अधिकार की गई फल और सब्जी छेदक पेडल ऑपरेटेड मशीन को भारत सरकार के पेटेंट कार्यालय की ओर से पेटेंट मिल गया है। विश्वविद्यालय के कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित यह मशीन छेद और मध्यम स्तर के फूट प्रोसेसर और नवोदित उद्यमियों के लिए बहुत ही प्राप्तिशंकर और मध्यम स्तर के फूट प्रोसेसर और नवोदित उद्यमियों के लिए पेटेंट संचालित फल और सब्जी में छेद पर उन्हें सभी को बधाई दी। उन्हें कहा कि इस तरह की तकनीकों के विकास में सकारात्मक प्रयासों को तैयार करने के लिए बहुत ही वाली मशीन के विकास से सब्धित है। प्रियंवदा या मुख्या और अचार विश्वविद्यालय हमेशा प्रोत्साहित करता रहता है और यह महाविद्यालय के प्रसंस्करण एवं खाद्य कुमार, डॉ. डी.के. शर्मा व अभियांत्रिकी विभाग के डॉ. निलिन सरवानिवृत डॉ. एम.के. गर्ग की गैरव की बात है। उन्हें वैज्ञानिकों से प्राप्त किया जा सकता है।



एचएयू वैज्ञानिकों द्वारा बनाई गई फल-सब्जी छेदक पेडल ऑपरेटेड मशीन दिखाते हुए

महाविद्यालय के प्रसंस्करण एवं खाद्य कुमार, डॉ. डी.के. शर्मा व अभियांत्रिकी विभाग के डॉ. निलिन सरवानिवृत डॉ. एम.के. गर्ग की

अगुवाई में किया गया। इस मशीन को भारत सरकार की ओर से इसका प्रमाण-पत्र मिल गया है जिसकी की अपील की। कृषि अभियांत्रिकी पेटेंट संख्या 406360 है।

कूलपति प्रो. वी.आर. काम्बोज ने कहा कि विश्वविद्यालय को अनुसार इसका प्रयोग किसानों के लगातार मिल रही उपलब्धियों यहां के वैज्ञानिकों की कड़ी मेहनत का ही नतीजा है। वैज्ञानिकों द्वारा विकसित इस नई तकनीक के लिए पेटेंट मिलने पर उन्हें सभी को बधाई दी। उन्हें कहा कि इस तरह की तकनीकों के विकास में सकारात्मक प्रयासों को तैयार करने के लिए फलों और सब्जियों को आगे की प्रक्रिया से विश्वविद्यालय हमेशा प्रोत्साहित करता रहता है और यह महाविद्यालय के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है। उन्हें वैज्ञानिकों से प्राप्त किया जा सकता है।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अभास उजाला	२७.१२.२२	२	१-५

आदिकार

पैडल ऑपरेटेड मशीन एक घंटे में 30 किलोग्राम फल-संजियों में कर सकती है छेद, मशीन का इस्तेमाल मुरब्बा और अचार तैयार करने में होगा।

# फल और सब्जी छेदक पैडल मशीन पर एचएयू को मिला पेटेंट

माझे सिटी रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के अधिकारी 'फल और सब्जी छेदक पैडल ऑपरेटेड मशीन' को भारत सरकार के पेटेंट कालांतर को ओर से पेटेंट मिल गया है। विश्वविद्यालय के कृषि अधिकारी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा विकासित यह मशीन छोटे और मध्यम स्तर के फूड प्रोसेसर के लिए काफी देखने वाली है। इस मशीन के जरिए 30 किलो/घंटा की दर से फलों में एक समान प्रकार के छेद किए जा सकते हैं।

मशीन का अधिकारी महाविद्यालय के प्रसंस्करण एवं खाद्य अधिकारी विभाग के



एचएयू में विकसित फल और सब्जी छेदक पैडल ऑपरेटेड मशीन के साथ वीरसी व अन्य वैज्ञानिक।

डॉ. नितिन कुमार, डॉ. दीपक शर्मा व डॉ. एमके गग्न की अग्रवाल में किया गया। कृषि अधिकारी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिकारी डॉ. बलदेव हासगढ़ा ने कहा कि इस मशीन का प्रयोग छोटे और मध्यम स्तर के फूड

प्रोसेसर मुरब्बा और अचार तैयार करने में कर सकते हैं। इस मशीन को पुरुषों और महिलाओं की अवधारणा व शारीरिक विशेषताओं को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है। इसमें कचाई और विकासी समाचारों की व्यवस्था है। इससे

आवासा, बेर, ककड़ी आदि फलों और सब्जियों के सभी आकारों और किसी भी मैट्रिक्युलेशन के साथ उत्पादन किया जा सकता है। अनुसधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा ने बताया कि यह डायकरण बिना विजली या किसी अन्य ईंधन के मैन्युअल रूप से 30

किलो/घंटा की क्षमता से काम करती है। इसमें फल और सब्जियों में छेद करने पर अधिक प्रथम की आवश्यकता नहीं है। मशीन सब्जी और मुरब्बे दोनों में समान रूप से फल को छेदती है। फलों व सब्जियों को छेदने के दौरान निकले रस को एकत्रित करने को भी व्यवस्था है। इस मशीन का उपयोग पुरी तरह से सुरक्षित और स्वच्छ है।

इस गोके पर ओएसडी डॉ. अतुल दीग्घा, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रंजु महता, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, अहमदार सेत इंचर्ज डॉ. विनेद सोगचान, कृषि अधिकारी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के सभी विषयाध्यक्ष, वैज्ञानिक व कर्मचारी भी मौजूद रहे।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
आजीत समाचार	27.12.22	8	1-5

### एवेएयू वैज्ञानिकों द्वारा विकसित फल और सब्जी छेदक पेडल ऑपरेटेड मशीन को मिला पेटेंट

हिसार, 26 दिसंबर (विरेंद्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने एक और उत्पादित को विश्वविद्यालय के नाम किया है। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा अविष्कार की गई फल और सब्जी छेदक पेडल ऑपरेटेड मशीन को भारत सरकार के पेटेंट कार्यालय की ओर से पेटेंट मिल गया है। विश्वविद्यालय के कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित इस नई तकनीक के लिए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि विश्वविद्यालय को लगातार मिल रही उपलब्धियों यहाँ के वैज्ञानिकों की कड़ी मेहनत का ही नतीजा है। वैज्ञानिकों द्वारा विकसित इस नई तकनीक के लिए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज पेटेंट मिलने पर पेडल ऑपरेटेड मशीन के साथ व मशीन को उन्होंने सभी को विकसित करने वाले वैज्ञानिक व अन्य। वर्षाई दी। उन्होंने कहा कि इस तरह की तकनीकों के विकास में सकारात्मक प्रयासों को विश्वविद्यालय हमेशा प्रोत्साहित करता रहता है और यह विश्वविद्यालय के लिए बहुत ही गौरव की बात है। उन्होंने वैज्ञानिकों की सराहना करते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार निरंतर प्रयास जारी रखने की अपील की।

रख-रखाव खर्च व लागत कम जबकि कार्यक्षमता अधिक ग्रामीणों से इसका प्रमाण-पत्र मिल गया है जिसकी पेटेंट संख्या 406360 है। वैज्ञानिकों की कड़ी मेहनत का नतीजा है विश्वविद्यालय



की प्रक्रिया से पहले निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा के उनमें छेद करना पड़ता है, जो इस मशीन का उपयोग करके आसानी से प्राप्त किया जा सकता है। भारतीय पुरुषों और महिलाओं के एंट्रोपोमेट्रिक मापों को ध्यान में रखते हुए इस मशीन को अप्रदक्षता शास्त्र के अनुरूप डिजाइन किया गया है। मशीन लिंग के प्रति तटस्थ है जिससे ये, पुरुष और महिला श्रमिकों के लिए एर्गोनॉमिक रूप से डिजाइन किया गया है। हमें ऊचाई और निकासी समायोज्य तंत्र हैं। इसलिए, इसका उपयोग पूर्व श्रेणीकरण की आवश्यकता के बिना आवला, बेर, ककड़ी आदि जैसे मंजू महता, मीठिया एवं बाली डॉ. संदीप आर्य, आईपीआर सेल के इंचाज डॉ. विनोद सागवान एवं कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के सभी विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक व कर्मचारी भी मौजूद रहे।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
एनडीपीएस	26.12.2022	-----	-----

# एचएयू वैज्ञानिकों द्वारा विकसित फल और सब्जी छेदक पेडल ऑपरेटेड मशीन को मिला पेटेंट

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा अधिकारी की गई पत्र और सब्जी छेदक पेडल ऑपरेटेड मशीन को भारत सरकार के पेटेंट कार्यालय की ओर से पेटेंट मिल गया है। विश्वविद्यालय के कृषि अभियांत्रिकों द्वारा विकसित यह मशीन छेटे और मध्यम स्तर के फूड प्रोसेसर और नवोदित उद्यमियों के लिए बहुत फायदेमंद साबित होगी। मशीन का अधिकारी महाविद्यालय के प्रसंस्करण एवं खाद्य अभियांत्रिकी विभाग के डॉ. नितिन कुमार, डॉ. ही.के. शर्मा व मेवानिवृत्त डॉ. एम.के. गंग की अगुवाई में किया गया। इस मशीन को भारत सरकार की ओर से इसका प्रमाण-पत्र मिल गया है जिसकी पेटेंट संख्या 406360 है।

बुलेटिन प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि विश्वविद्यालय को लगातार मिल रही उपलब्धियों यहाँ के वैज्ञानिकों की कड़ी मेहनत का ही



कूलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज पेडल ऑपरेटिड मशीन के साथ व मशीन को विकसित करने वाले वैज्ञानिक व अन्य नामीजा हैं। वैज्ञानिकों द्वारा विकसित इस नई तकनीक के लिए पेटेंट मिलने पर उन्होंने सभी को बधाई दी। कृषि अभियांत्रिकों द्वारा विकसित महाविद्यालय के अधिकारी डॉ. बलदेव दोणे के अनुसार इसका प्रयोग किसानों के लिए बहुत ही फायदेमंद होगा। प्रियंका या मुख्या और अचार तैयार करने के लिए, फलों और सब्जियों के सभी आकारों और किसी में छेद करने के लिए किया जा सकता है। अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा के प्रक्रिया से पहले उनमें छेद करना पड़ता है, जो इस मशीन का उपयोग करके आसानी से प्राप्त किया जा सकता है। इसका उपयोग पूर्व श्रेणीकरण की आवश्यकता के बिना आवला, बेर, ककड़ी आदि जैसे कुछ फलों और सब्जियों के सभी आकारों और किसी में छेद करने के लिए किया जा सकता है। अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा के अनुसार यह विजली या इंधन जैसे किसी अन्य स्रोत की आवश्यकता के बिना मैन्युअल रूप से 30 किग्रा/घण्टा की क्षमता पर एक समान छेद करती है, इसलिए यह ग्रामीण और अन्य शहरी बोजों के लिए सबसे उपयुक्त है जहाँ विजली की आपूर्ति अभी भी एक समस्या है। इसमें फल और सब्जियों में छेद करने पर अधिक प्रयास की आवश्यकता नहीं है।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
आज सभी	27.12.2022	-----	-----

# एचएयू वैज्ञानिकों द्वारा विकसित फल और सब्जी छेदक पेडल ऑपरेटेड मशीन को मिला पेटेंट

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने एक और उपलब्धि को विश्वविद्यालय के नाम किया है। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा अविकार की गई फल और सब्जी छेदक पेडल ऑपरेटेड मशीन को भारत सरकार के पेटेंट कार्यालय की ओर से पेटेंट मिल गया है। विश्वविद्यालय के कृषि अधियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित यह मशीन छेटे और मध्यम स्तर के फूड प्रोसेसर और नवोदित उद्यमियों के लिए बहुत फायदेमंद साबित होगी। मशीन का अविकार महाविद्यालय के प्रसंस्करण एवं खाद्य अधियांत्रिकी विभाग के डॉ. नितिन कुमार, डॉ. डी.के. शर्मा व



विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज पेडल ऑपरेटिड मशीन के साथ व मशीन को विकसित करने वाले वैज्ञानिक व अन्य।

सेवानिवृत्त डॉ. एम.के. गर्ग की अगुवाई में किया गया। इस मशीन को भारत सरकार की ओर से इसका प्रभाग-पत्र मिल गया है जिसकी पेटेंट संख्या 406360 है। कुलपति प्रो. बी.आर.

नितिन सभी को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस तरह की तकनीकों के विकास में सकारात्मक प्रयासों को विश्वविद्यालय हमेशा प्रोत्साहित करता रहता है और यह विश्वविद्यालय के लिए बहुत ही गोरक्ष की बात है। उन्होंने वैज्ञानिकों की सहायता करते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार निरंतर प्रयास जारी रखने की अपील की। कृषि अधियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिकृत डॉ. बलदेव डोगरा के अनुसार इसका प्रयोग किसानों के लिए बहुत ही फायदेमंद होगा। छेटे और मध्यम स्तर के फूड प्रोसेसर और नवोदित उद्यमियों के लिए पेडल संचालित फल और सब्जी में छेद वाली मशीन के विकास से संबंधित है।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक सप्तरा	27.12.2022	-----	-----

# फल सब्जी छेदक पैडल आप्रेटेड नरीन को गिला पेटेंट

● कुलपति बोले-वैज्ञानिकों की कड़ी मेहनत का नतीजा है विश्वविद्यालय की उपलब्धिया



कुलपति प्रोफेसर डॉ. आर. काम्योज पैडल ऑपरेटिड मशीन के साथ व मशीन को विकसित करने वाले वैज्ञानिक व अन्य।

सर्वेरा न्यूज/सुरेंद्र सोढ़ी  
हिसार, 26 दिसंबर : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने एक और उपलब्धि को विश्वविद्यालय के नाम किया है। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा अविकार की गई फल और सब्जी छेदक पैडल आप्रेटेड मशीन को भारत सरकार के पेटेंट कार्यालय की ओर से पेटेंट मिल गया है। विश्वविद्यालय के कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी

महाविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित यह मशीन छेदे और मध्यम स्तर के फूड प्रोसेसर और नवोदित उद्यमियों के लिए बहुत फायदेमंद साबित होगी। मशीन का अविकार महाविद्यालय के प्रसंस्करण एवं खाद्य अभियांत्रिकी विभाग के डॉ. नितिन कुमार, डॉ. डी.के. शर्मा व सेवानिवृत् डॉ. एम.के. गर्ग की अगुवाई में किया गया। इस मशीन को भारत सरकार की ओर से इसका प्रमाण-पत्र मिल गया है जिसकी पेटेंट संख्या

## लागत कम, कार्यक्षमता अधिक

कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिकारी डॉ. बलदेव डोगरा के अनुसार इसका प्रयोग किसानों के लिए बहुत लाभदायक होगा। छेदे और मध्यम स्तर के फूड प्रोसेसर और नवोदित उद्यमियों के लिए पैडल संचालित फल और सब्जी में छेद वाली मशीन के विकास से संबंधित है। प्रियंक या मूरबा और अचार तैयार करने के लिए, फलों और सब्जियों को आग की प्रक्रिया से पहले उनमें छेद करना पड़ता है, जो इस मशीन का उपयोग करके आसानी से प्राप्त किया जा सकता है। अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा के अनुसार यह विजली या इंधन जैसे किसी अन्य स्रोत की आवश्यकता के बिना मैन्युअल रूप से 30 किग्रा/घंटा की क्षमता पर एक समान छेद करती है, इसलिए यह ग्रामीण और अर्ध ग्रामीणों के लिए सबसे उपयुक्त है जहां विजली की आपूर्ति अभी भी एक समस्या है। इसमें फल और सब्जियों में छेद करने पर अधिक प्रयास की आवश्यकता नहीं है। मशीन संख्या और गलताई दोनों में समान रूप से फल को छेदती है और स्व-समायोज्य है। इस मशीन के द्वारा फलों व सब्जियों को छेदने के दौरान निकले रखे एकत्र करने वाली भी व्यवस्था है। इस मशीन का उपयोग पूरी तरह से सुरक्षित और स्वच्छ है।

406360 है। कुलपति प्रो. डॉ. आर. काम्योज ने कहा कि विश्वविद्यालय को लगातार मिल रही उपलब्धियां यहां के वैज्ञानिकों की कड़ी मेहनत का ही नतीजा हैं। वैज्ञानिकों द्वारा विकसित इस नई तकनीक के लिए पेटेंट मिलने पर उन्होंने सभी को बधाई दी। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अबुल

हींगड़ा, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजु महता, भीड़िया एहवाइजर डॉ. संदीप आर्य, आईपीआर सेल के इच्चाजे डॉ. विनोद सांगवान एवं कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के सभी विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक व कर्मचारी भी मौजूद रहे।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हुला १६ स. १२	27.12.2022	-----	-----

### एचएयू वैज्ञानिकों द्वारा विकसित फल और सब्जी छेदक पेडल ऑपरेटेड मशीन को मिला पेटेंट

हिसार : चौधरी चरण सिंह महाविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित यह मशीन छोटे और मध्यम स्तर के फूड प्रोसेसर और नवोदित उद्यमियों के लिए बहुत

को भारत सरकार की ओर से इसका प्रमाण-पत्र मिल गया है जिसकी पेटेंट संख्या 406360 है। वैज्ञानिकों की कड़ी मेहनत का नतीजा है विश्वविद्यालय की उपलब्धियाँ : प्रो. बी.आर. काम्बोज कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि विश्वविद्यालय को लगातार मिल रही उपलब्धियाँ यहाँ के वैज्ञानिकों की कड़ी मेहनत का ही नतीजा हैं। वैज्ञानिकों द्वारा विकसित इस नई तकनीक के लिए पेटेंट मिलने पर उन्होंने सभी को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस तरह की तकनीकों के विकास में सकारात्मक प्रयासों को विश्वविद्यालय हमेशा प्रोत्साहित करता रहता है और यह विश्वविद्यालय के लिए बहुत ही गौरव की बात है। उन्होंने वैज्ञानिकों की सराहना करते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार निरंतर प्रयास जारी रखने की अपील की। रख-रखाव खर्च व लागत कम जबकि कार्यक्षमता अधिक कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. बलदेव डोगरा के अनुसार इसका प्रयोग किसानों के लिए बहुत ही फायदेमंद होगा। छोटे और मध्यम स्तर के फूड प्रोसेसर और नवोदित उद्यमियों के लिए पेडल संचालित फल और सब्जी में छेद वाली मशीन के विकास से संबंधित है। प्रियबंध या मुरब्बा और अचार तैयार करने के लिए, फलों और सब्जियों को आगे की प्रक्रिया से पहले उनमें छेद करना पड़ता है, जो इस मशीन का उपयोग करके आसानी से प्राप्त किया जा सकता है।



है। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा अविष्कार की गई फल और सब्जी छेदक पेडल ऑपरेटेड मशीन को भारत सरकार के पेटेंट कार्यालय की ओर से पेटेंट मिल गया है। विश्वविद्यालय के कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी

फायदेमंद साबित होगी। मशीन का अविष्कार महाविद्यालय के प्रसंस्करण एवं खाद्य अभियांत्रिकी विभाग के डॉ. नितिन कुमार, डॉ. डी.के. शर्मा व सेवानिवृत्त डॉ. एम.के. गर्ग की अगुवाई में किया गया। इस मशीन